Danik Jalty Deep, 2 January 2024 Jodhpur Publication

नववर्ष की कार्य योजना एवं सर्वश्रेष्ठ कार्मिक सम्मान समारोह आयोजित

बीकानेर, 1 जनवरी (निसं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर में नव वर्ष 2024 का आगाज नव वर्ष की कार्य योजना पर चर्चा एवं सर्वश्रेष्ठ कार्मिकों के सम्मान के साथ किया गया। कुलपति डॉ. अरुण कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रशासनिक, शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक वर्ग में से एक-एक श्रेष्ठ कार्मिक को सम्मानित कर नव वर्ष का तोहफा दिया गया।

इस अवसर पर कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि लग्न, निष्ठा एवं समर्पण भाव से कार्य करने वालों को सम्मानित करने से अन्य कार्मिक को भी अपनी कार्यशैली में कुशलता लाने की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम में सभी अधिष्ठाताओं एवं निदेशकों ने वर्ष 2023 में किए गए कार्यों का ब्योरा प्रस्तुत किया तथा वर्ष 2024 की कार्य योजनाएं प्रस्तुत की। इस अवसर पर कुलसचिव अजीत गोदारा, वित्त नियंत्रक बीएल सर्वा, छात्र कल्याण निदेशक डा. वीर सिंह, कृषि संकाय अध्यक्ष डा. पीएस शेखावत, कृषि प्रबंधन संस्थान के निदेशक डा. आईपी सिंह एवं शैक्षणोत्तर कर्मचारी संघ के अध्यक्ष रतन सिंह शेखावत सहित सभी अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे। कार्यक्रम में श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं के रूप में भू-संपत्ति अधिकारी इंजीनियर संजय, भू- सदृश्यता एवं आय सृजन निदेशक डा. दाताराम एवं वित्त नियंत्रण कार्यालय के महेंद्र सिंह राठौड़ को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के आयोजक छात्र कल्याण निदेशक डा. वीर सिंह ने नववर्ष के उपलक्ष में सभी का स्वागत करते हुए बताया कि नव वर्ष के प्रथम दिन कार्य योजना पर चर्चा कर रोड मेप बनाने से कार्य संचालन में उत्कृष्टता बढ़ती है। परीक्षा नियंत्रक डा. राजेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि वर्तमान में विश्वविद्यालय कृषि के 28, सामुदायिक विज्ञान के एक तथा कृषि प्रबंधन संस्थान के दो महाविद्यालयों के लगभग 5000 छात्रों के लिए परीक्षा आयोजित करता है। डॉ. पी. एस.शेखावत ने बताया कि गत वर्ष विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत लगभग 6 करोड़ रुपये की परियोजनाएं स्वीकृत हुई हैं।निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. सुभाष चंद्र ने बताया कि विश्वविद्यालय के सभी कृषि विज्ञान केंद्र विकसित भारत संकल्प यात्रा में सहभागिता निभा रहे हैं।

कुल सचिव अजीत गोदारा ने कहा कि विश्वविद्यालय में खाली पड़े पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया जारी है। वित्त नियंत्रक बीएल सर्वा ने कहा कि पेंशन जिम्मेदारियां को भांपते हुए विश्वविद्यालय के सभी विभाग आय सृजन की दिशा में भी योगदान करें। कार्यक्रम में डा. पीएस शेखावत, डा. पीके यादव, डा. सीमा त्यागी और इंजीनियर विपिन लढ़ा द्वारा तैयार किये गये कृषि पंचांग 2024 एवं किसान डायरी 2024 का विमोचन किया गया।

Danik Bhakar 02.01.2024

गतवर्ष स्वीकृत हुई छह करोड़ की परियोजनाओं को मूर्त रूप देने में जुटा कृषि विश्वविद्यालय

बीकानेर | स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर में सोमवार को वर्ष 2024 कार्य योजना पर चर्चा एवं सर्वश्रेष्ठ कार्मिकों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कुलपति डॉ. अरुण कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रशासनिक, शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक वर्ग श्रेष्ठ कार्य करने वाले कार्मिकों को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि लगन, निष्ठा एवं समर्पण भाव से कार्य करने वालों के सम्मान से अन्य कार्मिक को भी कार्यशैली में कुशलता लाने की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम में सभी अधिष्ठाताओं एवं निदेशकों ने वर्ष 2023 में किए गए कार्यों का ब्योरा प्रस्तुत किया तथा वर्ष 2024 की कार्य योजनाएं प्रस्तुत की। कार्यक्रम में श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं के रूप में भू-संपत्ति अधिकारी इंजीनियर संजय, भू- सदृश्यता एवं आय सृजन निदेशक डॉ. दाताराम एवं वित्त नियंत्रण कार्यालय के महेंद्र सिंह राठौड़ को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के आयोजक छात्र कल्याण निदेशक डॉ. वीर सिंह ने वर्ष 2024 कार्य योजना पर चर्चा की। परीक्षा नियंत्रक डॉ. राजेंद्र सिंह राठौड़ ने बताया कि वर्तमान में विश्वविद्यालय कृषि के 28, सामुदायिक विज्ञान के एक तथा कृषि प्रबंधन संस्थान के दो महाविद्यालयों के लगभग 5000 छात्रों के लिए परीक्षा आयोजित करता है। डॉ. पी. एस.शेखावत ने बताया कि गत वर्ष विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत लगभग 6 करोड़ रुपये की परियोजनाएं स्वीकृत हुई हैं। निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. सुभाष चंद्र ने बताया कि विश्वविद्यालय के सभी कृषि विज्ञान केंद्र विकसित भारत संकल्प यात्रा में सहभागिता निभा रहे हैं। कुल सचिव अजीत गोदारा ने कहा कि विश्वविद्यालय में खाली पड़े पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया जारी है। वित्त नियंत्रक बीएल सर्वा ने कहा कि सभी विभाग आय सृजन की दिशा में भी योगदान करें। कार्यक्रम में डॉ. पी. एस. शेखावत, डॉ. पी. के. यादव, डॉ. सीमा त्यागी और इंजीनियर विपिन लढ़ा द्वारा तैयार किये गये कृषि पंचांग 2024 एवं किसान डायरी 2024 का विमोचन भी किया गया। इस अवसर पर कुलसचिव अजीत गोदारा, वित्त नियंत्रक बीएल सर्वा, छात्र कल्याण निदेशक डॉ. वीर सिंह, कृषि संकाय अध्यक्ष डॉ. पी. एस. शेखावत, कृषि प्रबंधन संस्थान के निदेशक डॉ. आई.पी. सिंह, रतन सिंह शेखावत सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

Rajasthan Chirag 02.01.2024

एसकेआरएयू में कार्मिक सम्मान समारोह आयोजित, वर्ष 2024 कार्ययोजना पर भी हुई चर्चा

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर में सोमवार को वर्ष 2024 कार्य योजना पर चर्चा एवं सर्वश्रेष्ठ कार्मिकों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कुलपति डॉ. अरुण कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रशासनिक, शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक वर्ग श्रेष्ठ कार्य करने वाले कार्मिकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि लगन, निष्ठा एवं समर्पण भाव से कार्य करने वालों के सम्मान से अन्य कार्मिक को भी कार्यशैली में कुशलता लाने की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम में सभी अधिष्ठाताओं एवं निदेशकों ने वर्ष 2023 में किए गए कार्यों का ब्योरा प्रस्तुत किया तथा वर्ष 2024 की कार्य योजनाएं प्रस्तुत की।

03.01.2024

भेड़-बकरी पालन को सह व्यवसाय के रूप में अपनाएं सीमांत कृषक

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन विभाग की ओर से आयोजित भेड़ एवं बकरी पालन के माध्यम से उद्यमिता विकास विषय पर 7 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न हुआ।

मुख्य अतिथि बीकानेर पूर्व की विधायक सिद्धि कुमारी ने कहा कि भेड़ एवं बकरी पालन ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका का एक प्रमुख साधन है, जिसमें महिलाएं भी अहम भागीदारी निभाती हैं। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि लघु एवं सीमांत कृषकों को अपनी आमदंनी बढ़ाने के लिए भेड़ एवं बकरी पालन को सह- व्यवसाय के रूप में लेना चाहिए। कृषि प्रबंधन संस्थान के निदेशक डॉ. आई.पी. सिंह ने कहा कि ग्रामीण युवा यदि वैज्ञानिक तरीकों से भेड़-बकरी पालन सीख लें, तो यह कम लागत में लाभकारी व्यवसाय है। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. पी. एस. शेखावत ने भी अपना संबोधन दिया।

भेड़-बकरी पालन ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका का प्रमुख साधन : सिद्धि कुमारी

Rastray Doot 03.01.2024

बीकानेर, (कासं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन विभाग द्वारा भेड़ एवं बकरी पालन के माध्यम से उद्यमिता विकास विषय पर 7 दिवसीय प्रशिक्षण का समापन किया।

इस अवसर पर आयोजित समारोह की मुख्य अतिथि के रूप में प्रशिक्षणार्थियों को संबोधित करते हुए बीकानेर पूर्व की विधायक सिद्धि कुमारी ने कहा कि भेड़ एवं बकरी पालन ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका का एक प्रमुख साधन है जिसमें महिलाएं भी अहम भागीदारी निभाती हैं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति डॉ. अरूण कुमार ने कहा कि लघु एवं सीमांत कृषकों को अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए भेड़ एवं बकरी पालन को सह-व्यवसाय के रूप में लेना चाहिए।

विधायक सिद्धि कुमारी (दाएं) ने भेड़ एवं बकरी पालन पर प्रशिक्षण समारोह को संबोधित किया।

कृषि प्रबंधन संस्थान के निदेशक डॉ. आई.पी. सिंह ने कहा कि ग्रामीण युवा यदि वैज्ञानिक तरीकों से भेड़ एवं बकरी पालन करना सीख लें तो यह कम लागत से शुरू किया जाने वाला लाभकारी व्यवसाय है। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. पी. एस. शेखावत ने अपने स्वागत उद्बोधन में कहा कि बकरी की सिरोही नस्ल यहां के किसानों में लोकप्रिय है और धीरे-

बकरी की सिरोही नस्ल के बारे में जानकारी दी

धीरे इनकी संख्या बीकानेर संभाग में बढ़ रही है। प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. एन.एस. दहिया ने बताया कि प्रशिक्षण में गांव बेलासर के विरेन्द्र कुमार लुणू जिन्हें राष्ट्रीय पशुधन मिशन द्वारा 525 बकरियों पर एक करोड़ रूपये की परियोजना 50 प्रतिशत अनुदान के साथ स्वीकृत हुई है, ने प्रशिक्षणार्थियों को अपने अनुभव साझा किये।

इस अवसर पर डॉ. विमला डुकवाल, डॉ. ए. के. शर्मा, डॉ. वीर सिंह, डॉ. दाताराम, इंजीनियर जितेंद्र गौड़, डॉ. सुशील कुमार, डॉ. सीमा त्यागी, डॉ. मनमीत कौर, डॉ. कुलदीप सिंदे, सुधीर व्यास एवं रतन सिंह शेखावत मौजूद थे।

Danik Bhaskar 03.01.2024

• स्वामी केशवानंद कृषि विवि में सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

ग्रामीण क्षेत्रों में भेड़ और बकरी पालन में होती है महिलाओं की अहम भूमिकाः सिद्धि कुमारी

सिटी रिपोर्टर | बीकानेर

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 7 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर में पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन विभाग द्वारा भेड़ एवं बकरी पालन के माध्यम से उद्यमिता विकास विषय पर जानकारी दी गई। यह शिविर पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन विभाग द्वारा आयोजित किया गया था। शिविर के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि सिद्धि कुमारी ने कहा कि भेड़ एवं बकरी पालन ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका का एक प्रमुख साधन है। इसमें महिलाएं भी अहम भागीदारी निभाती हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि लघु एवं सीमांत कृषकों को अपनी आमदनी बढ़ाने के लिए भेड़ एवं बकरी पालन को सह- व्यवसाय के रूप में लेना चाहिए। कृषि प्रबंधन संस्थान के निदेशक डॉ. आईपी सिंह ने कहा यदि ग्रामीण युवा वैज्ञानिक तरीकों से भेड़ एवं बकरी पालन करें तो यह कम लागत से शुरू किया जाने वाला लाभकारी व्यवसाय है। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. पीएस शेखावत ने कहा कि बकरी की सिरोही नस्ल यहां के किसानों में लोकप्रिय है। धीरे-धीरे इनकी संख्या बीकानेर संभाग में बढ़ रही है। प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. एनएस दहिया ने बताया कि प्रशिक्षण में गांव बेलासर के विरेंद्र कुमार लुणू जिन्हें राष्ट्रीय पशुधन मिशन द्वारा 525 बकरियों पर रुपये एक करोड़ की परियोजना 50% अनुदान के साथ स्वीकृत हुई है, ने प्रशिक्षणार्थियों को अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर डॉ. विमला डुकवाल, डॉ. एके शर्मा, डॉ. वीर सिंह, डॉ. दाताराम, इंजीनियर जितेंद्र गौड़, डॉ. सुशील कुमार, डॉ. सीमा त्यागी, डॉ. मनमीत कौर, डॉ. कुलदीप सिंदे मौजूद रहे।

Rajasthan Patrika 03.01.2024

कार्य योजना पर चर्चा के साथ हुआ सर्वश्रेष्ठ कार्मिकों का सम्मान

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में वर्ष 2024 कार्य योजना पर चर्चा एवं सर्वश्रेष्ठ कार्मिकों का सम्मान समारोह आयोजित हुआ। कुलपति डॉ. अरुण कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रशासनिक, शैक्षणिक एवं अशैक्षणिक वर्ग श्रेष्ठ कार्य करने वाले कार्मिकों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि लगन, निष्ठा एवं समर्पण भाव से कार्य करने वालों के सम्मान से अन्य कार्मिक को भी कार्यशैली में कुशलता लाने की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम में सभी अधिष्ठाताओं एवं निदेशकों ने वर्ष 2023 में किए गए कार्यों का ब्योरा प्रस्तुत किया तथा वर्ष 2024 की कार्य योजनाएं प्रस्तुत की।

इस अवसर पर कुलसचिव अजीत गोदारा, वित्त नियंत्रक बी.एल. सर्वा, छात्र कल्याण निदेशक डॉ. वीर सिंह, कृषि संकाय अध्यक्ष डॉ. पी. एस. शेखावत, कृषि प्रबंधन संस्थान के निदेशक डॉ. आई.पी. सिंह, रतन सिंह शेखावत सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में श्रेष्ठ कार्यकर्ताओं के रूप में भू-संपत्ति अधिकारी इंजीनियर संजय भू-सहश्यता एवं आय सृजन निदेशक डॉ. दाताराम एवं वित्त नियंत्रण कार्यालय के महेंद्र सिंह राठौड़ को सम्मानित किया गया।

Danikm Bhaskar 04.01.2024

अनुसंधान के नतीजे आम किसान तक पहुंचाएं : देवी सिंह भाटी

बीकानेर | स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के पादप रोग विज्ञान विभाग द्वारा मशरूम उत्पादन तकनीक पर सात दिवसीय प्रशिक्षण बुधवार से प्रारंभ हुआ। प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार में पूर्व कैबिनेट मंत्री रहे देवी सिंह भाटी थे। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि कृषि विश्वविद्यालय में होने वाले अनुसंधान कार्यों के नतीजे आम किसान तक पहुंचने चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय को खेतों एवं सड़क किनारे उगने वाली मशरूम के व्यावसायिक उत्पादन की संभावनाओं पर भी कार्य करना चाहिए। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि मशरूम उत्पादन द्वितीय कृषि का एक हिस्सा है। इसे अपनाकर युवा एवं महिलाएं कम स्थान में भी अधिक लाभ कमा सकते हैं। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि डॉ.आईपी सिंह निदेशक कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान ने बताया कि मशरूम उत्पादन में भारत का विश्व में पांचवा स्थान है। यहां लगभग दो लाख टन मशरूम प्रतिवर्ष उगाई जाती है।

04.01.2024 Rajasthan patrika

मशरूम उत्पादन तकनीक पर सात दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के पादप रोग विज्ञान विभाग की ओर से मशरूम उत्पादन तकनीक पर सात दिवसीय प्रशिक्षण बुधवार से शुरू हुआ। प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि भाजपा नेता देवी सिंह भाटी ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय में होने वाले अनुसंधान कार्यों के नतीजे आम किसान तक पहुंचने चाहिए। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय को खेतों एवं सड़क किनारे उगने वाली मशरूम के व्यावसायिक उत्पादन की संभावनाओं पर भी कार्य करना चाहिए। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि मशरूम उत्पादन द्वितीय कृषि का एक हिस्सा है, जिसे अपनाकर युवा एवं महिलाएं कम स्थान में भी अधिक लाभ कमा सकते हैं। विशिष्ट अतिथि डॉ.आई.पी. सिंह ने भी संबोधित किया।

सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन

10.01.2024

किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में कार्य करे कृषि विश्वविद्यालय

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के पादप रोग विज्ञान विभाग की ओर से आयोजित मशरूम उत्पादन तकनीकी पर आयोजित सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि खाजूवाला विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल थे। उन्होंने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में कार्य करे। मरुस्थलीय भौगोलिक परिस्थितियों में स्थित कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक कम पानी में खेती की दिशा में अच्छा कार्य कर रहे हैं। मशरूम उत्पादन कम पानी में किया जा सकने वाला कृषि आधारित अच्छा उद्यम है।

कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि मशरूम उत्पादन के साथ-साथ इसके मूल्य संवर्धन तकनीक पर भी विश्वविद्यालय प्रशिक्षण आयोजित करेगा, ताकि किसान कम लागत से अधिक लाभ ले सकें। उन्होंने मशरूम उत्पादों का अच्छा लाभ लेने के लिए मशरूम उत्पादक संघ बनाने का सुझाव दिया। कुल सचिव अजीत कुमार गोदारा ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण के पश्चात अपने अनुभवों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ साझा करने का सुझाव दिया।

Danik Bhaskar 10.01.2024

कृषि विश्वविद्यालय किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में कार्य करें : डॉ. विश्वनाथ मेघवाल

बीकानेर | स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के पादप रोग विज्ञान विभाग द्वारा मशरूम उत्पादन तकनीकी पर सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। इसके समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में खाजूवाला विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल मौजूद रहे। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि कृषि विश्वविद्यालय किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में कार्य करें। मरुस्थलीय भौगोलिक परिस्थितियों में स्थित स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक कम पानी में खेती की दिशा में अच्छा कार्य कर रहे हैं। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि मशरूम उत्पादन के साथ-साथ इसके मूल्य संवर्धन तकनीक पर भी विश्वविद्यालय प्रशिक्षण आयोजित करेगा ताकि किसान कम लागत से अधिक लाभ ले सकें। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के कुल सचिव अजीत कुमार गोदारा ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण के पश्चात अपने अनुभवों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ साझा करने का सुझाव दिया। वित्त नियंत्रक बी.एल. सर्वा ने कहा कि मशरूम उत्पादन कम लागत में शुरू किया जाने वाला कृषि आधारित उद्यम है, विश्वविद्यालय के इस प्रकार के प्रयास आम जनता तक पहुंचने चाहिए। प्रशिक्षण में मशरूम में लगने वाली बीमारियों एवं कीटों की जानकारी, मशरुम उत्पादन तकनीकों के साथ-साथ नाबार्ड द्वारा दी जाने वाली आर्थिक सहायता और विपणन के बारे में बताया गया।

Danik Rajasthan Pradeep
10.01.2024

कृषि विश्वविद्यालय किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में कार्य करें- विश्वनाथ

राजस्थान प्रदीप रिपोर्टर

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के पादप रोग विज्ञान विभाग द्वारा मशरूम उत्पादन तकनीकी पर आयोजित सात दिवसीय प्रशिक्षण के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में खाजूवाला विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल ने अपने संबोधन में कहा कि कृषि विश्वविद्यालय किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में कार्य करें। उन्होंने कहा कि मरुस्थलीय भौगोलिक परिस्थितियों में स्थित स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के वैज्ञानिक कम पानी में खेती की दिशा में अच्छा कार्य कर रहे हैं, मशरूम उत्पादन कम पानी में किया जा सकने वाला कृषि आधारित अच्छा उद्यम है।

कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि मशरूम उत्पादन के साथ-साथ इसके मूल्य संवर्धन तकनीक पर भी विश्वविद्यालय प्रशिक्षण आयोजित करेगा ताकि किसान कम लागत से अधिक लाभ ले सकें। उन्होंने मशरूम उत्पादों का अच्छा लाभ लेने के लिए मशरूम उत्पादक संघ बनाने का सुझाव दिया। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के कुल सचिव अजीत कुमार गोदारा ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण के पश्चात अपने अनुभवों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ साझा करने का सुझाव दिया। वित्त नियंत्रक बी.एल. सर्वा ने कहा कि मशरूम उत्पादन कम लागत में शुरू किया जाने वाला कृषि आधारित उद्यम है, विश्वविद्यालय के इस प्रकार के प्रयास आम जनता तक पहुंचने चाहिए। इस अवसर पर कृषि प्रबंधन संस्थान के निदेशक डॉ. आई. पी. सिंह ने कहा कि मशरूम उत्पादन के लिए स्पान तैयार करना सीख कर उत्पादन लागत को कम किया जा सकता है। कृषि महाविद्यालय बीकानेर के अधिष्ठाता डॉ. पी.एस. शेखावत ने स्वागत उद्बोधन दिया। प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. दाता राम ने बताया कि प्रशिक्षण में गुजरात, मध्य प्रदेश तथा उत्तर प्रदेश के भी प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण में मशरूम में लगने वाली बीमारियों एवं कीटों की जानकारी, मशरूम उत्पादन तकनीकी के साथ-साथ नाबार्ड द्वारा दी जाने वाली आर्थिक सहायता और विपणन के बारे में बताया गया। प्रशिक्षण में गांव नाथूसर निवासी सहीराम गोदारा जो वर्ष 2010 से मशरूम उत्पादन व उसके मूल्य सम्वर्धित उत्पाद- बिस्किट, बड़ियां,अचार,नूडल तथा सूप पाउडर तैयार करते है, ने अपने अनुभव साझा किये। डॉ. ए. के. शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

Rastradoot 10.01.2024

किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में कार्य करें कृषि विश्वविद्यालय : डॉ. विश्वनाथ

-मशरूम उत्पादन तकनीकी पर आयोजित प्रशिक्षण का समापन

बीकानेर,(कासं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के पादप रोग विज्ञान विभाग द्वारा मशरूम उत्पादन तकनीकी पर आयोजित सात दिवसीय प्रशिक्षण के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में खाजूवाला विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल ने अपने संबोधन में कहा कि कृषि विश्वविद्यालय किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में कार्य करें।

उन्होंने कहा कि मरुस्थलीय भौगोलिक परिस्थितियों में स्थित स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के वैज्ञानिक काफी मेहनत से खेती की दिशा में अच्छा कार्य कर रहे हैं। मशरूम उत्पादन कम लागत में किया जा सकने वाला कृषि आधारित अच्छा उद्यम है।

मशरूम उत्पादन तकनीकी पर आयोजित प्रशिक्षण के समापन समारोह को खाजूवाला विधायक डॉ. विश्वनाथ मेघवाल ने संबोधित किया।

- मशरूम उत्पादन तकनीकी के साथ-साथ नाबार्ड द्वारा दी जाने वाली आर्थिक सहायता और विपणन के बारे में बताया

कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि मशरूम उत्पादन के साथ-साथ इसके मूल्य संवर्धन तकनीक पर भी विश्वविद्यालय प्रशिक्षण आयोजित करेगा ताकि किसान कम लागत से अधिक लाभ ले सकें। उन्होंने मशरूम उत्पादों का अच्छा लाभ लेने के लिए मशरूम उत्पादक संघ बनाने का सुझाव दिया। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के कुल सचिव अजीत कुमार गोदारा ने प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण के बाद अपने अनुभवों को विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के साथ साझा करने का सुझाव दिया।

वित्त नियंत्रक बी.एल. सर्वा ने कहा कि मशरूम उत्पादन कम लागत में शुरू किया जाने वाला कृषि आधारित उद्यम है। विश्वविद्यालय के इस प्रकार के प्रयास आम जनता तक पहुंचने चाहिए। इस अवसर पर कृषि प्रबंधन संस्थान के निदेशक डॉ. आई. पी. सिंह ने कहा कि मशरूम उत्पादन के लिए स्पान तैयार करना सीख कर उत्पादन लागत को कम किया जा सकता है।

कृषि महाविद्यालय बीकानेर के अधिष्ठाता डॉ. पी. एस. शेखावत ने स्वागत उद्बोधन दिया। प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. दाताराम ने बताया कि प्रशिक्षण में गुजरात, मध्यप्रदेश तथा उत्तरप्रदेश के भी प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण में मशरूम में लगने वाली बीमारियों एवं कीटों की जानकारी, मशरूम उत्पादन तकनीकी के साथ-साथ नाबार्ड द्वारा दी जाने वाली आर्थिक सहायता और विपणन के बारे में बताया गया।

प्रशिक्षण में गांव नाथूसर निवासी महीराम गोदारा जो वर्ष 2010 से मशरूम उत्पादन व उसके मूल्य संवर्धित उत्पाद- बिस्किट, बड़ियां, अचार, नूडल्स तथा सूप पाउडर तैयार करते हैं ने अपने अनुभव साझा किये। डॉ. ए.के. शर्मा ने धन्यवाद दिया।

गर्म रोटी व हलवे की सेवा : छोटी काशी बीकानेर में विभिन्न जगहों पर सर्दी के बीच जीव-जंतुओं के लिए गर्म रोटी व हलवे की सेवा निरंतर जारी है। इसी क्रम में जीव जंतुओं के लिए बेनीसर बारी क्षेत्र के निवासियों की ओर से हल्दीयुक्त गर्म रोटी और हलवे की सेवा की जारी है।

इस क्षेत्र के लोग पिछले कई दिनों से लगातार श्वान, गायों को रोटी के साथ गर्म हलवा, दलिया तैयार कर गली-मोहल्लों में जाकर खिला रहे हैं। परोपकार की इसी भावना ने बीकानेर की संस्कृति को जिंदा कर रखा है। गौ धन मित्र के महेन्द्र जोशी ने बताया कि सर्दी को देखते हुए यह सेवा निरंतर जारी रखी जा रही है।

19.01.2024 Patrika

गणतंत्र दिवस की तैयारी बैठक आयोजित

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर में गणतंत्र दिवस समारोह के आयोजन को लेकर कुलपति डॉ. अरुण कुमार की अध्यक्षता में गुरुवार को बैठक हुई। समारोह में बेस्ट साइंटिस्ट तथा बाह्य स्रोतों से परियोजनाएं लाने वाले वैज्ञानिकों तथा अच्छा कार्य करने वाले कार्मिकों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के फार्म यंत्र परीक्षण एवं प्रशिक्षण केंद्र की ओर से इस वर्ष तीन करोड़ की आमदनी देने के लिए इकाई प्रभारी इंजीनियर विपिन लढा व टीम को सम्मानित करने तथा विभागाध्यक्ष कृषि अभियांत्रिकी, इंजीनियर जे. के. गौड़ को प्रशंसा पत्र देने का निर्णय लिया गया। बैठक में कुलसचिव अजीत कुमार गोदारा, वित्त नियंत्रक बी.एल.सर्वा सहित सभी अधिष्ठाता एवं निदेशक मौजूद रहे।

20.01.2024

कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान ने मनाया 25 वां स्थापना दिवस

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर के कृषि व्यवसाय प्रबंधन संस्थान की ओर से 25 वां स्थापना दिवस शुक्रवार को मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि गुरु गोविंद सिंह चैरिटेबल ट्रस्ट हनुमानगढ़ के अध्यक्ष बी.एल. जुनेजा तथा अध्यक्षता कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने की। कुलपति ने कहा कि इस संस्थान का उद्देश्य कृषि स्नातकों को स्व उद्यमी बनाना है। कार्यक्रम में कुल सचिव अजीत गोदारा, बी.एस. राठौड़, डॉ. एस.एस. शेखावत, डॉ. बी.डी.शर्मा, मंत्रेश सिंह, डॉ..पी. एस. शेखावत, डॉ. अमिता शर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे।

24.01.2024

प्रशिक्षण शुरू

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अर्थ शास्त्र विभाग एवं चौधरी चरण सिंह राष्ट्रीय कृषि विपणन संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू हुआ। उदघाटन अवसर पर मंगलवार को कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि जैविक कृषि उत्पादों की तरफ किसानों का रूझान बढ़ा है, परंतु सही विपणन व्यवस्था न बन पाने के कारण इसके लिए कुशल रणनीति बनाने की आवश्यकता है। मुख्य अतिथि बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अंबरीश शरण विद्यार्थी ने कहा कि राजस्थान में पशुधन के बाहुल्य को देखते हुए यहां गोबर तथा गौमूत्र आधारित जैविक कृषि ज्यादा सफल रहेगी।